[This question paper ed pages.]

11 MAY 2023

Roll No...............

Maharaja Agrasen College * LIBRARY * Chanakya Puri, New Delhi-110021

C

Sr. No. of Question Paper : 3309

Unique Paper Code : 12051601

Name of the Paper : हिंदी आलोचना

Name of the Course : B.A. (H) HINDI – CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

munotes.in

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों के संदर्भ को स्पष्ट करते हुए व्याख्या कीजिए :- (10 + 10 + 10)

P.T.O.

(क) भावों की छानबीन करने पर मंगल का विधान करने वाले दो भाव ठहरते हैं- करुणा और प्रेम। करुणा की गति रक्षा की ओर होती है और प्रेम की रंजन ओर। लोक में प्रथम साध्य रक्षा है। रंजन का अवसर उसके पीछे आता है। अतः साधनावस्था या प्रयत्न पक्ष को लेकर चलने वाले काव्यों का बीज भाव करुणा ही ठहरती है। इसी से शायद अपने दो नाटकों में रामचरित को लेकर चलने वाले महाकवि भवभूति ने 'करुण' को ही एकमात्र रस कह दिया। रामायण का बीज भाव करुणा है, जिसका संकेत क्रौंच को मारने वाले निषाद के प्रति वाल्मीकि के मुँह से निकले वचन द्वारा आरंभ में ही मिलता है।

अथवा

हमें सुंदरता की कसौटी बदलनी होगी। अभी तक यह कसौटी अमीरी और विलासिता के ढंग की थी। हमारा कलाकार अमीरों का पल्ला पकड़े रहना चाहता था, उन्हीं की कद्रदानी पर उसका

munotes.in

अस्तित्व अवलंबित था और उन्हीं के सुख-दुःख, आशा-निराशा प्रतियोगिता और प्रतिद्वंद्विता की व्याख्या कला का उद्देश्य था। उसकी निगाह अंतःपुर और बंगलों की ओर उठती थी। झोंपड़े और खंडहर उसके ध्यान के अधिकारी न थे। उन्हें वह मनुष्यता की परिधि से बाहर समझता था। कभी इनकी चर्चा करता भी था, पर इनका मजाक उड़ाने के लिए, ग्रामवासी की देहाती वेश-भूषा और तौर-तरीकों पर हँसने के लिए।

(ख) तुलसी के समय का सामाजिक यथार्थ क्या है? उनके समय का सामाजिक यथार्थ जर्जर होती हुई सामंती व्यवस्था है। तुलसी इस व्यवस्था के रक्षक नहीं हैं और सामंतों के उत्पीड़न के विरुद्ध उनकी सहानुभूति साधारण जनों और स्त्रियों के साथ है। उन्होंने स्वयं इस उत्पीड़न का अनुभव किया था। इसलिए यह धारणा कि तुलसी नारी की पराधीनता के हामी थे, ब्राह्मणों के खिलाफ शूद्रों की बगावत में वह ब्राह्मणों के साथ थे, उनके समूचे साहित्य

के अध्ययन से यह साबित नहीं होती। तुलसी की भक्ति समाज के लिए अफीम नहीं थी। वह जन-साधारण का एक साधन थी। भक्त तुलसीदास मूलतः मानववादी हैं और उनके साहित्य की महत्ता वास्तविक सामाजिक संबंधों का वर्णन करने में है।

अथवा

प्रयोग कोई वाद नहीं है। हम वादी नहीं रहे, नहीं हैं। न प्रयोग अपने आप में इष्ट या साध्य है। ठीक इसी तरह कविता का भी कोई वाद नहीं है; कविता भी अपने आप में इष्ट या साध्य नहीं है। अतः हमें 'प्रयोगवादी' कहना उतना ही सार्थक या निरर्थक है जितना हमें 'कवितावादी' कहना। क्योंकि यह आग्रह तो हमारा है कि जिस प्रकार कविता रूपी माध्यम को बरतते हुए आत्माभिव्यक्ति चाहने वाले कवि को अधिकार है कि उस माध्यम

munotes.in

का अपनी आवश्यकता के अनुरूप श्रेष्ठ उपयोग करे, उसी प्रकार आत्म-सत्य के अन्वेषी कवि को, अन्वेषण के प्रयोग-रूपी माध्यम का उपयोग करते समय उस माध्यम की विशेषताओं को परखने का भी अधिकार है। इतना ही नहीं, बिना माध्यम की विशेषता, उसकी शक्ति और उसकी सीमा को परखे और आत्मसात किए उस माध्यम का श्रेष्ठ उपयोग हो ही नहीं सकता।

(ग) परिष्कृत रुचि, आज की परिस्थिति में, सर्वसामान्य नहीं है। आज रुचि को विकृत करने के साधन अनेक हैं और निरंतर उनका प्रसार ही होता जा रहा है। सस्ती पत्रिकाएं, सामान्य से भी सामान्यतर रुचि के लेखक, 'अपील' का आग्रह। ये सारी चीजें रुचि परिष्कार में बाधक हैं। किंतु इन कुरुचिपूर्ण साधनों के विकास के साथ ही इनके प्रति चेतना का अनुपात भी बढ़ता जा रहा है। आज पाठक अच्छी कहानियों की मांग ज्यादा करता

दिख पड़ता है। वह सस्ते स्तरों की कहानी को या तो ध्यान से बाहर कर देता है या उनके समाजघाती होने पर उनकी कड़ी आलोचना करता है। आज के हिंदी कथा साहित्य के पाठक की रुचि पर संदेह करना एक प्रकार की असावधानी (शायद सायास बरती गई!) कही जाएगी।

अथवा

साहित्य के रूप केवल रूप्य नहीं हैं बल्कि जीवन को समझने के भिन्न-भिन्न माध्यम हैं। एक माध्यम जब चुकता दिखाई पड़ता है, तो दूसरे माध्यम का निर्माण किया जाता है। अपनी महान जययात्रा में सत्य-सौंदर्य-दृष्टा मनुष्य ने इसी तरह समय-समय पर नये नये कलारूपों की सृष्टि की ताकि वह नित्य विकासशील वास्तविकता को अधिक से अधिक समझ और समेट सके । हमारी इसी ऐतिहासिक आवश्यकता से एक समय कहानी भी उत्पन्न हुई और अपने रूप सौंदर्य के द्वारा इसने हमारे

munotes.in

सत्य-सौंदर्य-बोध को भी विकसित किया। कहानी की इसी ऐतिहासिक भूमिका की मांग है कि वर्तमान परिस्थिति में उसकी सार्थकता की परीक्षा व्यापक संदर्भ में की जाय।

2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल की आलोचना शैली पर विचार कीजिए। (15)

अथवा

हिंदी आलोचना के विकास पर प्रकाश डालिए।

3. 'तुलसी साहित्य में सामंत-विरोधी मूल्य' में अभिव्यक्त रामविलास शर्मा के विचारों का मूल्यांकन कीजिए। (15)

अथवा

'कला के तीन क्षण' में निहित मुक्तिबोध के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

4. 'शमशेर की काव्यानुभूति की बनावट' लेख पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए। (15)

अथवा

'रेणु: समय मानवीय दृष्टि' शीर्षक पाठ का प्रतिपाद्य लिखिए।

munotes.in

[This question paper contains 4 printed pages.]

11 MAY 2023

Your Roll No............

Maitreyi College ★ Chanakya Puri, New Delhi-1100 ★ LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 3522 **E**

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and Epistemology Hindi

Name of the Course : **B.A. (H) Core, LOCF**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** Questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग – क / Section–A

1. आस्तिक दर्शनों का सामान्य परिचय देते हुए भारतीय दर्शन के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए। (6)

Giving a general introduction to the Orthodox Schools of Philosophy, explain the purpose of Indian philosophy.

अथवा / OR

द्वैतवादी विचार के रूप में मध्वाचार्य के दर्शन का वर्णन कीजिए।

Describe the Philosophy of Madhavacharya as a dualistic system of thought.

2. कार्यकारण विषयक विवर्तवाद एवं आरम्भवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए। (6)

Describe the cause and effect doctrines of Vivartavāda and Aīṃbhavāda.

अथवा / OR

कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का वर्णन कीजिए।

Describe the Sankhya doctrine of cause and effect.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4.5 + 4.5)

Write short notes on any **two** of the following :

(i) परिणामवाद (Idealism)

(ii) यथार्थवाद (Realism)

(iii) एकतत्त्ववाद (Monism)

भाग – ख / Section–B

4. पदार्थ की परिभाषा देते हुए द्रव्य के भेदों का विवेचन कीजिए। (7)

Define Padārtha and discuss the types of Dravya the Substance.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार विशेष एवं अभाव पदार्थ का वर्णन कीजिए।

Describe the Categories of Viṣeśa and abhāva according to Tarkasaṃgraha.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6 + 6)

Explain any **two** of the following :

(i) परमपरं चेति द्विविधं सामान्यम्।

(ii) चलनात्मकं कर्मः।

(iii) नित्यसम्बन्धः समवायः।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4 + 4)

Write a note on any **two** of the following :

(i) आकाश (ākāṣa)

(ii) आत्मा (ātmā)

(iii) समवायि-असमवायि कारण (samavāyi-asamavāyikāraṅa)

(iv) यथार्थानुभव (yathārthānubhava)

munotes.in

भाग – ग / Section–C

7. 'अनुमितिकरणमनुमानम्' इस कथन के आधार पर अनुमान-प्रमाण का विवेचन कीजिए।

Discuss the means of inference on the basis of the statement 'अनुमितिकरणमनुमानम्'.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के अनुसार हेत्वाभास के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples the types of hetvābhāsa according to Tarkasaṃgraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिए : (6 + 6)

Explain any **two** of the following :

(i) इन्द्रियार्थसन्निकर्षजन्यं ज्ञानं प्रत्यक्षम्।

(ii) आप्तवाक्यं शब्दः।

(iii) सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्ज्ञानम्।

(iv) उपमितिकरणमुपमानम्।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (4 + 4)

Write a note on any **two** of the following :

(i) पक्ष – सपक्ष – विपक्ष

(ii) केवलान्वयि – केवलव्यतिरेकि

(iii) अयथार्थ अनुभव

(iv) व्याप्ति

[This question paper contains 2 printed pages.]

LIBR... Chanakya...

Your Roll No..............

आपका अनुक्रमांक............

Sr. No. of Question Paper : **3623** **E**

Unique Paper Code : 12303402

Name of the Paper : Techniques of Ethnographic Filmmaking

Name of the Course : **B.A. (H)** Hindi

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. (ऑनर्स)

Semester/Annual : IV

सेमेस्टर/वार्षिक : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

munotes.in

Instructions for Candidates:

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-प्रत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए स्थान पर अपना अनुक्रमांकलिखिए।

2. Answer any *four* questions.
किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. Answer may be written either in English or in Hindi but the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

4. All questions carry equal marks.
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Trace the historical development of ethnographic filmmaking as a specific form of anthropological enquiry.
मानव विज्ञान के एक विशिष्ट रूप के रूप में नृवंशविज्ञान फिल्म निर्माण के ऐतिहासिक विकास की जाँच कीजिए

2. Compare the visual and the textual as two distinct modes of representation.
दृश्य और पाठ्य की तुलना दो अलग प्रतिनिधित्व के तरीके के रूप में करें।

3. Discuss the different types of documentary film.
विभिन्न प्रकार की वृत्तचित्र फिल्मों की चर्चा कीजिए.

4. Examine the moral and the ontological questions that the filmmaker encounters while deciding "whose story is it" that s/he will tell.
उन नैतिक और सत्तामीमांसीय प्रश्नों की जांच करें जिनका फिल्म निर्माता "किसकी कहानी है" जो वह बताएगा का निर्णय करते समय सामना करता है ।

5. Comment on the use of cameras in filmmaking through the Bateson- Mead debate.
बेटसन-मीड विवाद के माध्यम से फिल्म निर्माण में कैमरों के उपयोग पर टिप्पणी करें।

6. Does visual anthropology provide an alternative way of perceiving culture. Explain with the help of any movie that you might have seen as part of the course.
क्या दृश्य नृविज्ञान संस्कृति को समझने का एक वैकल्पिक तरीका प्रदान करता है? पाठ्यक्रम के भाग के रूप में देखी गई किसी भी फिल्म की सहायता से व्याख्या कीजिए।

7. What are the challenges that you may have faced during the process of making films for this course? Write an essay elucidating your experiences.
इस पाठ्यक्रम के लिए फिल्म बनाने की प्रक्रिया के दौरान आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है? अपने अनुभवों को स्पष्ट करते हुए एक निबंध लिखिए।

3

t of ethnographic filmmaking as a specific form of

7. रूप में नृवंशविज्ञान फिल्म निर्माण के ऐतिहासिक विकास

al as two distinct modes of representation.
प्रतिनिधित्व के तरीके के रूप में करें।

umentary film.
चर्चा कीजिए.

ogical questions that the filmmaker encounters while
8. /he will tell.
की जांच करें जिनका फिल्म निर्माता "किसकी कहानी है"
य सामना करता है ।

n filmmaking through the Bateson- Mead debate.
ल्म निर्माण में कैमरों के उपयोग पर टिप्पणी करें।

e an alternative way of perceiving culture. Explain
ou might have seen as part of the course.
झने का एक वैकल्पिक तरीका प्रदान करता है? पाठ्यक्रम
9. फिल्म की सहायता से व्याख्या कीजिए।

may have faced during the process of making films
ucidating your experiences.
की प्रक्रिया के दौरान आपको किन चुनौतियों का सामना
को स्पष्ट करते हुए एक निबंध लिखिए।

munotes.in

18 MAY 2023

[This question paper contains 2 printed pages.]

18 2023

Your Roll No..............

Maitreyi College ★ LIBRARY ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021 E

Sr. No. of Question Paper : 3637

Unique Paper Code : 12051401

Name of the Paper : भारतीय काव्यशास्त्र

Name of the Course : **B.A. (Hon) Hindi (LOCF)**

Semester : IV

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

Maitreyi College Chanakya Puri, New Delhi Acc. No. QP- 1711

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा का संक्षिप्त परिचय देते हुए आचार्य मम्मट के योगदान पर प्रकाश डालिए । (12)

अथवा

काव्य हेतु से आप क्या समझते हैं? भारतीय आचार्यों द्वारा विवेचित काव्य हेतुओं पर प्रकाश डालिए ।

18 MAY 2023

2. रस क्या है? रस के स्वरूप पर विचार कीजिये। (12)

अथवा

व्यंजना शब्द शक्ति की परिभाषा देते हुए उसके विभिन्न प्रकारों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3. मुक्तक काव्य अथवा नाटक का तात्विक विवेचन कीजिये। (12)

4. (क) किन्हीं **तीन** अलंकारों के लक्षण-उदाहरण लिखिए - (9)

यमक	श्लेष	वक्रोक्ति
अतिशयोक्ति	व्यतिरिक	उत्प्रेक्षा

(ख) किन्हीं **तीन** छूंदों के लक्षण-उदाहरण लिखिए - (9)

शिखरिणी	शार्दूलविक्रीड़ित	घनाक्षरी
उल्लाला	सोरठा	कुण्डलिया

5. किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (7×3=21)

(क) आचार्य भरत मुनि

(ख) करुण रस

(ग) माधुर्य गुण

(घ) काव्य प्रयोजन

(ङ) चम्पू काव्य

munotes.in

[This question paper contains 4 printed pages.]

Maitreyi College LIBRARY Chanakya Puri, New Delhi-110021

19 MAY 2023

Your Roll No..............

C

Sr. No. of Question Paper : 3660

Unique Paper Code : 12051602

Name of the Paper : हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

Name of the Course : **B.A. (H) HINDI**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+7=15)

(क) मनुष्य व्यक्ति के चरित्र का विचार कई एक रीति से हो सकता है। और जिस रीति पर आरूढ़ हो इसकी मीमांसा कीजिये उस ढंग से वैसे विचार होंगे। चाहे मनुष्य के धर्म अथवा सच्चरित्र संबंधी गुणों का विचार कीजिए या चाहे इसी के निकट का कोई प्रश्न उठाकर उस पर कुंद शंका समाधान कीजिये अर्थात्

Library stamp

सच्चरित्र से सामाजिक क्या लाभ है इन सब बातों के विचार से हमको इस लेख में कुछ प्रयोजन नहीं है किन्तु हमको यहाँ उस मुख्य बात से प्रयोजन है जो इस प्रकार की मीमांसा के भी पूर्व विचार में आनी चाहिये और वह यह बात है कि जातियों का अनूठापन इस देश के इतिहास का फल है।

अथवा

अतीत की स्मृति में मनुष्य के लिए स्वाभाविक आकर्षण है। अर्थ-परायण लाख कहा करें कि 'गड़े मुर्दे उखाड़ने से क्या फायदा' पर हृदय नहीं मानता; बार-बार अतीत की ओर जाया करता है। अपनी यह बुरी आदत नहीं छोड़ता। इसमें कुछ रहस्य अवश्य है। हृदय के लिए अतीत एक मुक्ति लोक है जहाँ वह अनेक प्रकार के बंधनों से छूटा रहता है और अपने शुद्ध रूप में विचरता है। वर्तमान हमें अंधा बनाये रहता है; अतीत बीच-बीच में हमारी आँखें खोलता रहता है।

(ख) भारत वर्ष बहुत बड़ा देश है। इसका इतिहास बहुत पुराना है। इस इतिहास का जितना अंश जाना जा सकता उसकी अपेक्षा जितना नहीं जाना जा सकता, वह और भी पुराना और महत्वपूर्ण है। न जाने किस अज्ञात काल से नाना जातियाँ आ-आकर इस देश में बसती रही है और इसके साधन को नाना भाव से मोड़ती रही हैं, नये रूप देती रही हैं और समृद्ध करती रही हैं। इस देश का सबसे पुराना उपलब्ध साहित्य आर्यों का है।

अथवा

अनुसरण मनुष्य की प्रकृति है। बालक प्रायः आरम्भ में सब कुछ अनुसरण से ही सीखता है, तत्पश्चात् अपने अनुभव के साँचे में ढालकर उसे अधिक से अधिक पूर्ण करने के प्रयास करता है परन्तु अनुभव के आधार से हीन अनुसरण सिखाए हुए पशु के अन्धानुसरण के समान है जो जीवन के गौरव को समूल नष्ट कर और मनुष्य को दयनीय बनाकर पशु की श्रेणी में बैठने के लिए बाध्य कर देता है।

2. 'मजदूरी' और 'प्रेम' निबंध का प्रतिपाद्य लिखिए। (15)

अथवा

'अतीत की स्मृति' निबंध की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

3. 'तुम चंदन हम पानी' निबंध का मूल कथ्य स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'हमारी शृंखला की कड़ियाँ' का प्रतिपाद्य लिखिए।

4. 'अपनी खबर' की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

'नए संघर्ष' का सार लिखिए।

5. 'अज्ञेय के साथ' की मूल संवेदना लिखिए। (15)

अथवा

सुभान खाँ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

munotes.in

[This question paper contains 4 printed pages.]

23 MAY 2023

Your Roll No..............

Maitreyi College ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021 E LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 3745

Unique Paper Code : 12057607

Name of the Paper : Lok Natya लोकनाट्य (DSE) (CORE)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : VI

Duration : 3 Hours   Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) अइले कलकातावा त खतवा भेजइते ताबर हो तोर।
रोपेया भेजइत मनीआडर से, गड़यां में होइत सोर।
रोपेया खोंइछवा में लेइ कर, गुनवां गइती हो तोर।
दुअरा पर रहित तक्केहू नाहीं देखित करिया-गोर।
सुनरी का लोरवा से चुनरी होखत बा सर हो बोर।
कहत भिखारी चेत अबहूँ से करत बनी निहोर।

23 MAY 2023

अथवा

हमरा के पिया बिसरइहे मति हो ।
बहुत दिनन से आसा लागल पिया
आसा निरासा करइहे मति हो ।
मन में धीरज धरे छाड़े फिकिर पिया
झूठहूँ के जिया हहरइहे मति हो ।
जियरा के मोर तड़पइहे मति हो ।
तोहरे सुरतिया में नैना लागल पिया
अंखिया के मोर तरसइहे मति हो ।

(ख) माया अपरमपार गुरूजी थांकी माया अपरमपार ।।
अपरम पारहे माया आपकी, झून्टो जगबे वार ।।
देखी माया मन हरसाया, केसे करूँ सतकार ।।
चमत्कार देखि ने चितयो, पोंच्यो हात हजार ।।
हिरदा बीच हुदो उजवाली जागी जोत अपार ।
जो मन थो केई दन से मेलो, चड़-चड बिसे बिकार ।।
मल-मल धोय हुवो है उजलो, सतगुरु निमल धार ।।

अथवा

भेद भरी चोपड़ की चाल के, दो राणी समजाय ।।
मन की बात मन में तम राखो, म्हारी समज नी आय ।।
सत्त धरम की चोपड ऊपर, काम क्रोध की गोट ।।
प्रेम से पासा फँको पियाजी, चले चोट पे चोट ।।

तू राणी रंग मेल में राजी, करे रंगीली बात ।।
राज काज को काम पड्योहे, फिकर होए दिन रात ।

(ग) वेद शास्त्र उपनिषेदों का पूर्ण ज्ञान सै,
तप करता इन्द्री बस करके सय्या
गऊ ब्राह्मण साधु को प्यारा करै यज्ञ दान से ।
युध्द करता महारथी तेजस्वी न्यू बलवान सै,
देवता तृप्त रहैं यज्ञ से ज्ञान की परमगति सै ।।1।।

अथवा

सिर पै कलछाया घोर, दिखैं दसूं दिशा कठोर,
ऐश आन्नद की डोरे, हाथ तै छूटी दिखाई दे... ।।1।।
बिस्तर तजकै रूई कैसे पहल, संग मै करण पति की टहल,
वचना मै बन्ध कै गैल हंसणी सी जुटी दिखाई दे... ।।2।।
कित फंसगे कर्म गन्दे मै, लागगी आग भले धन्धे मै,
कलयुग आळे फन्दे मै, घिटी घुटी दिखाई दे.. ।।3।।

(10×3=30)

2. लोकनाट्य परम्परा के सन्दर्भ में 'रामलीला' के उद्भव और विकास को रेखांकित कीजिये ।

अथवा

पांडवानी लोकनाट्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी परंपरा का उल्लेख कीजिए । (15)

P.T.O.

3. 'सांग' लोकनाट्य की विशेषताओं के आधार पर 'नल-दमयंती' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'नल-दमयन्ती' लोकनाट्य के आधार पर नल की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए। (10)

4. 'बिदेसिया' में वर्णित पलायन की समस्या आज भी प्रासंगिक है' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

मंचन की दृष्टि से 'बिदेसिया' की समीक्षा कीजिए। (10)

5. 'राजयोगी भरथरी' में माच लोकनाट्य की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। (10)

अथवा

'राजयोगी भरथरी' की रंगमंचीयता को स्पष्ट कीजिए।

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.............

23 MAY 2023
Maitreyi College LIBRARY Chanakya Puri, New Delhi

E

Sr. No. of Question Paper : 3746

Unique Paper Code : 12057608

Name of the Paper : Hindi Ki Bhashik Vividhtayen (DSE)

Name of the Course : B.A. (Hons) Hindi

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. वाचिक हिन्दी के विभिन्न क्षेत्रीय रूपों का संक्षिप्त परिचय दीजिए। (15)

अथवा

आधुनिक साहित्यिक हिंदी की भाषिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

2. पाठ्यक्रम में निर्धारित कबीर के पदों में वर्णित रहस्य-भावना पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

अमीर खुसरो की मुकरियों की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

3. बनारसीदास की आत्मकथा 'अर्धकथानक' का महत्व लिखिए। (15)

अथवा

गालिब की गजलों का सार लिखिए।

4. 'रानी केतकी की कहानी' की संवेदना और शिल्प पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'पंचलैट' कहानी की तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए। (15)

5. निम्नलिखित उद्धरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हुआ तुझ इश्क सूं ऐ आतिशीं रू दिल मिरा पानी, (8)
कि ज्यूं गलता है आतिश सूं गुलाब आहिस्ता-आहिस्ता
अदा-ओ-नाज सूं आता है वो रौशन जबीं घर सूं,
कि ज्यूं मश्रिक सूं निकले आफताब आहिस्ता-आहिस्ता

अथवा

मेहरबां होके बुला लो मुझे चाहो जिस वक़्त
मैं गया वक्त नहीं हूं कि फिर आ भी न सकूं,
जोफ़ में ताना-ए-अग़यार का शिकवा क्या है
बात कुछ सर तो नहीं है कि उठा भी न सकूं
जहर मिलता ही नहीं मुझको सितमगर, वर्ना
क्या क़सम है तेरे मिलने की कि खा भी न सकूं।

(ख) यह बात पहले किसी के दिमाग में नहीं आयी थी। पंचलैट खरीदने के पहले किसी ने न सोचा। खरीदने के बाद भी नहीं। अब पूजा की सामग्री चौके पर सजी हुई है। कीर्तनिया लोग ढोल-करताल खोलकर बैठे हैं और पंचलैट पड़ा हुआ है। गांव वालों ने आज तक कोई ऐसी चीज नहीं खरीदी, जिसमें जलाने-बुझाने का झंझट हो। कहावत है न, भाई रे, गाय लूं? तो दूहे कौन? - - - - - लो मजा ! अब इस कल-कब्जे वाली चीज को कौने बाले।

यह बात नहीं कि गांव भर में कोई पंचलैट बालने वाला नहीं। हरेक पंचायत में पंचलैट है।उसके जलानेवाले जानकार हैं। लेकिन सवात्र है कि पहली बार नेम-टेम करके, शुभ लाभ करके, दूसरी पंचायत के आदमी की मदद से पंचलैट जलेगा? इससे तो अच्छा है कि पंचलैट पड़ा रहे। जिन्दगी भर तान्ना कौन सहे। (7)

अथवा

मिट्टी के बासन को इतनी सकत कहां जो अपने कुम्हार के करतब कुछ ताड़ सके। सच है, जो बनाया हुआ हो, सो अपने बनानेवाले को क्या सराहे और क्या कहे। यों जिसका जी चाहे, पड़ा बके। सिर से लगा पांव तक जितने रोंगटे हैं, जो सबके सब बोल उठें और सराहा करें और उतने बरसों उसी ध्यान मैं रहें, जितनी सारी नदियों में रेत और फूल फलियां खेत में हैं, तो भी कुछ न हो सके, कराहा करें। इस सिर झुकाने के साथ ही दिन रात जपता हूं उस अपने दाता के भेजे हुए प्यारे को जिसके लिये यों कहा है- जो तू न होता तो मैं कुछ न बनाता; और उसका चचेरा भाई जिसका ब्याह उसके घर हुआ, उसकी सुरत मुझे लगी रहती है।

[This question paper contains 4 printed pages.]

24 MAY 2023

Your Roll No............

Maitreyi College ★ LIBRARY ★ Chanakya Puri, New Delhi-110021

Sr. No. of Question Paper : 3844 E

Unique Paper Code : 12131202

Name of the Paper : Self-Management in Gita

Name of the Course : **B.A. (Hon.) CORE, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए : (5×7=35)

Explain the following :

(i) ममैवांशो जीवलोके जीवभूत: सनातन: ।

मन: षष्ठानीन्द्रियाणि प्रकृतिस्थानि कर्षति ।।

अथवा

Or

श्रोत्रं चक्षु: स्पर्शनं च रसनं घ्राणमेव च ।

अधिष्ठाय मनश्चायं विषयानुपसेवते ।।

(ii) सत्त्वं रजस्तम इति गुणा: प्रकृतिसम्भवा: ।

निबध्नन्ति महाबाहो देहे देहिनमव्ययम् ।।

अथवा

Or

रजो रागात्मकं विद्धि तृष्णासङ्गसमुद्भवम् ।

तन्निबध्नाति कौन्तेय कर्मसङ्गेन देहिनम् ।।

(iii) काम एष क्रोध एप रजोगुणसमुद्भव: ।

महाशनो महापाप्मा विद्धयेनमिह वैरिणम् ।।

अथवा

Or

क्लैब्यं मा सम गम: पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते ।

क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परन्तप ।।

(iv) प्रशान्तात्मा विगतभीर्ब्रह्मचारिव्रते स्थित: ।

मन: संयम्य मच्चित्तो युक्त आसीत मत्पर: ।।

अथवा

Or

नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मण: ।

शरीरयात्रापि च ते न प्रसिद्धयेदकर्मण: ।।

(v) योगस्थ: कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्जय ।

सिद्ध्यसिद्धयो: समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते ।।

अथवा

Or

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।

मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि ।।

2. भगवद्गीता के अनुसार आत्म-प्रबन्धन पर निबंध लिखिए। (11)

Write an essay on Self-Management according to *Bhagavad Gita.*

अथवा

Or

भगवद्गीता के अनुसार ध्यान लगाने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

Describe the Procedure of Meditation according to *Bhagavad Gita*.

3. भगवद्गीता के अनुसार त्रिविध आहार का वर्णन कीजिए। (11)

Describe threefold diet according to *Bhagavad Gita*.

अथवा

Or

आदर्श भक्त के लक्षण बताइए।

Describe the characteristics of an Ideal Devotee?

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए, जिनमें से **एक संस्कृत भाषा** में होनी चाहिए। (3×6=18)

Write short notes on any **three** of the following, in which one Should be in **Sanskrit Language**

(i) त्रिविध तप (Three fold *Tapas*)

(ii) राजसी बुद्धि (*Rajsi Budhhi*)

(iii) सन्तुलित जीवन (Balanced life)

(iv) मानसिक द्वन्द्र के कारण (Causes of Mental Conflict)

(v) मन (*Mana*)

29 MAY 2023

[This question paper contains 8 printed pages.]

29 MAY 2023

Your Roll No..............

Chanakya Puri, New Delhi-110021 LIBRARY Maitreyi College

Sr. No. of Question Paper : 3985 E

Unique Paper Code : 12051402

Name of the Paper : हिंदी कविता (छायावाद के बाद)

Name of the Course : **B. A (Hon) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (7.5×2=15)

(क) अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रोबीला चेहरा

आहिस्ते से बोला : हाँ सा'ब

लाख कहता हूँ नहीं मानती मुनिया

टाँगे हुए है कई दिनों से

29 MAY 2023

अपनी अमानत

यहाँ अब्बा की नजरों के सामने

मैं भी सोचता हूँ

क्या बिगाड़ती हैं चूड़ियाँ

किस जुर्म पे हटा दूँ इनको यहाँ से ?

अथवा

जैसे कोई बिजली कौंधा जाए

एक दबी हुई स्मृति

झकझोर जाती है मुझे

और मुझे लगता है कहीं मेरे भीतर भी है

munotes.in

एक पागल स्त्री

जो दरवाजों को पीटती

और दीवारों को खुरचती हुई

उसी तरह लगा रही है चक्कर

मेरे उपमहाद्वीप के विशाल नक्शे में

न जाने कब से।

(ख) हो गई है पीर पर्वत - सी पिघलनी चाहिए

इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए

आज यह दीवार, परदों की तरह हिलने लगी

शर्त थी लेकिन कि ये बुनियाद हिलनी चाहिए

हर सड़क पर, हर गली में, हर नगर, हर गाँव में

हाथ लहराते हुए हर लाश चलनी चाहिए

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं

मेरी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए

अथवा

यह गीत सुबह का है, गा कर देखें,

यह गीत गजब का है, ढा कर देखे,

यह गीत जरा सूने में लिखा था,

यह गीत वहाँ पूने में लिखा था।

यह गीत पहाड़ी पर चढ़ जाता है

यह गीत बढ़ाये से बढ़ जाता है

यह गीत भूख और प्यास भगाता है

जी, यह मसान में भूख जगाता है,

munotes.in

यह गीत भुवाली की है हवा हुज़ूर

यह गीत तपेदिक की है दवा हुज़ूर ।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल स्पष्ट कीजिए। (7.5×2=15)

(क) साँप !

तुम सभ्य तो हुए नहीं

नगर में बसना

भी तुम्हें नहीं आया।

एक बात पूछूँ- (उत्तर दोगे ?)

तब कैसे सीखा डँसना-

विष कहाँ पाया? (मूल संवेदना)

(ख) राष्ट्रगीत में भला कौन वह

भारत-भाग्य-विधाता है

फटा सुथन्ना पहने जिसका

गुन हरचरना गाता है। (व्यंग्यात्मकता)

(ग) और क्या जाने क्या

उसे दिख गया मेरे भीतर

कि हिल उठा वह

और पूरा का पूरा मैं गिर पड़ा नीचे

शर्मिंदा हूँ प्रभु

और इस घटना पर हिल रहा हूँ अब तक

पर कोई करे तो भी क्या

समय ही कुछ ऐसा है

munotes.in

कि पानी नदी में हो

या किसी चेहरे पर

झाँककर देखो तो तल में कचरा

कहीं दिख ही जाता है। (काव्य बिम्ब)

3. 'यह दीप अकेला' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'सिंदूर तिलकित भाल' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

4. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए। (15)

अथवा

हिंदी ग़ज़ल में दुष्यन्त कुमार का योगदान स्पष्ट कीजिए।

5. 'धार' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

'गीत फ़रोश' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।

31 MAY 2023

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.........

Maitreyi College ★ Chanakya Puri, Delhi-110021 ★ LIBRARY

E

Sr. No. of Question Paper : 4007

Unique Paper Code : 12051403

Name of the Paper : हिन्दी उपन्यास

Name of the Course : B.A. (H) Hindi

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. सप्रसग व्याख्या कीजिये : (7 + 8 = 15)

(क) "मैं तो आपसे बार-बार कह चुका, आप मेरे लिए कुछ ना करें। मुझे धन की जरूरत नहीं। आपकी भी वृद्धावस्था है। शात-चित्त होकर भगवत-भजन कीजिये। समरकान्त तीखे शब्दों में बोले "धन न रहेगा लाला, तो भीख मँगोगे। यों चैन से बैठकर चरखा ना चलाओगे। यह तो न होगा, मेरी कुछ मदद करो, पुरुषार्थहीन मनुष्यों की तरह कहने लगे, मुझे धन की जरूरत नहीं? कौन है जिसे धन की जरूरत नहीं? साधु-सन्यासी तक तो पैसों पर

munotes.in

31 MAY 2023

प्राण देते हैं। धन बड़े पुरुषार्थ से मिलता है। जिसमें पुरुषार्थ नहीं, वह क्या धन कमाएगा? बड़े-बड़े तो धन की उपेक्षा कर ही नहीं सकते, तुम किस खेत की मूली हो!"

अथवा

"अमि-जोत के सहमे हुए चेहरे और क्षण भर को डॉक्टर के माथे पर खिंच आए बल .....लगा जैसे शकुन से ही कोई भरी अपराध हो गया हो। जरूर ही उस समय उसके चेहरे पर बड़ी कातर-सी बेबसी उभर आई होगी, तभी तो डॉक्टर ने पीठ सहलाकर उसे दिलासा दी, "बच्चों की बात को लेकर तुम इतनी परेशान क्यों हो रही हो? टेंक इट ईजी..." पर खुद वह शायद ईजी नहीं हो पाये थे।

(ब) शकुन चक्की पीस-पीसकर बेटे का जीवन बनाने में अपने आप को स्वाहा कर देने वाली माँ नहीं थी; बल्कि स्वतंत्र व्यक्तित्व, आकांक्षाएँ और आजीविका के साधनों से तृप्त माँ थी। इस नारी और माँ के आपसी द्वंद का अध्ययन ही शकुन को उसका वर्तमान रूप देता था। आज जो लगता है कि कहानी में बिखरी लोक-कथाएँ अनायास ही नहीं आ गई हैं, वे शकुन के जीवन की दो नितांत विरोधी स्थितियाँ, मिथ और वास्तविकता के अंतर्विरोध को उजागर करती है"।

अथवा

"मनुष्य स्वतंत्र विचारों वाला प्राणी होते हुए भी परिस्थितियों का दास है। और यह परिस्थिति-चक्र क्या है, पूर्वजन्म के कर्मों के फल का विधान है। मनुष्य की विजय वही संभव है, जहां वह परिस्थितियों के चक्र में पड़कर उसी के साथ चक्कर न खाए, वरन अपने कर्तव्याकर्तव्य का विचार रखते हुए उस पर विजय पावे"।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो उपन्यासकारों पर टिप्पणी लिखें: (7 + 8 = 15)

(क) लाला श्रीनिवास दास

(ख) प्रेमचंद

(ग) फणीश्वरनाथ रेणु

(घ) मन्नू भण्डारी

3. 'कर्मभूमि' उपन्यास के पात्र गांधीवादी विचारधारा से प्रभावित हैं - इस कथन की समीक्षा कीजिये। (15)

अथवा

'कर्मभूमि' उपन्यास के आधार पर प्रेमचंद की भाषा शैली पर प्रकाश डालें?

4. भारतीय दर्शन वृत्तियों के दमन पर नहीं शमन पर आधारित है, इस कथन के आलोक में 'चित्रलेखा' उपन्यास की समीक्षा कीजिये। (15)

अथवा

'चित्रलेखा चरित्र-प्रधान उपन्यास है'- इस कथन के परिप्रेक्ष्य में चित्रलेखा का चरित्र-चित्रण कीजिये।

5. 'आपका बंटी' उपन्यास की भाषा-दृष्टि पर विचार करें। (15)

अथवा

'आपका बंटी' उपन्यास में वैवाहिक-संबंधों के बदलते मूल्यों को रेखांकित किया गया है- इस कथन की समीक्षा कीजिये।

Maitreyi College
Chanakya Puri, New Delhi
QP— 17 11
Acc. No.

munotes.in